अध्याय -8
दीवानों की हस्ती

1.इन शब्दों के अर्थ लिखो-

हस्ती - हैसियत। मस्ती -खुशियाँ।
आलम -संसार। उल्लास - खुशी।
जग -संसार। छकर - जी भर कर ।
स्वच्छंद-मुक्त रूप से। उर -ह्रदय ।
पराया - दूसरों का। आबाद - रहना हंसी -खुशी जीवन बिताना।

2.सही उत्तर पर सही का निशान लगाओ-

1.दीवानों की हस्ती कविता के कवि का क्या नाम है?
क. सूरदास ख. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ग.भगवती चरण वर्मा [✓]
2.दीवाने क्या उड़ाते चलते हैं?
क. धूल [✓] ख. राख ग. पतग
3.कवि ने दीवाने किसे कहा है?
क. अंग्रेजों को ख. पड़ोसियों को ग. देश को स्वतंत्र कराने वाले वीरों को[✓]
4.दीवाने क्या बन कर आए?
क. बादल ख. तरंग ग. उल्लास [✓]
5.दीवाने क्या बनकर बह चलते हैं ?
क. अमृत ख. आँसू [✓] ग. पानी
6.दीवाने अपने हृदय में कौन सी पहचान लेकर चलते हैं ?
क. स्वतंत्रता ख. उत्साह. ग. असफलता [✓]

3.सही जोड़ी मिलाओ -

1.हम दीवानों की क्या	घुटों को
2.मस्ती का	पराया क्या
3.सुख दुख के	हस्ती
4.अब अपना और	तोड़ चले
5.हम अपने बंधन	आलम
6.प्राणों की बाजी	फिर कुछ रोए
7.कुछ हँसे और	हार चले

उत्तर-

1.हम दीवानों की क्या	हस्ती
2. मस्ती का	आलम
3.सुख-दुख के	घुटों को
4.अब अपना और	पराया क्या
5.हम अपने बंधन	तोड़ चले
6.प्राणों की बाजी	हार चले

*7.*कुछ हँसेऔर फिर कुछ रोए

4.प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

*1.*कवि ने दीवाने किसे कहा है*?*

उत्तर -कवि ने देश को स्वतंत्र कराने वाले वीरों को दीवाने कहा है।

*2.*कवि ने वीरों को दीवाने क्यों कहा है *?*

उत्तर- क्योंकि दीवानो मुख्य लक्ष्य देश को स्वतंत्र कराना है उन्हें दुनिया से कुछ लेना देना नहीं है वे पूर्ण रुप से देश के लिए समर्पित हैं।

*3.*वीर पुरूष संसार को क्या देना चाहते हैं *?*

उत्तर -वीर पुरुष संसार को प्यार और खुशियाँ देना चाहते हैं ।

*4.*कविता में कवि ने भीखमंगे किसे कहा है*?*

उत्तर -कविता में कवि ने देशवासियों को भीखमंगे कहा ।

5. दीवानों की हस्ती कविता का मुख्य उद्देश्य क्या है *?*

उत्तर -दीवानों की हस्ती कविता का मुख्य उद्देश्य भारतीय समाज में फैली हुई निराशा और हताशा की भावना को जड़ से मिटाना और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए अपने देशवासियों के मन में मस्ती और दीवानगी का वातावरण तैयार करना है।

5 विलोम शब्द लिखें *-*

*1.*मान- अपमान *2.*सुख -दुख *3.*गुण -अवगुण *4.*आशा - निराशा

*5.*ऊंचा -नीचा *6.*घृणा - प्रेम *7.*वरदान - अभिशाप *8.*नवीन- प्राचीन